

中 / 国 / 文 / 物 / 鉴 / 定 / 从 / 书 /

唐·海兽葡萄纹镜

Mirrors with grape veins
for sea animals

Tang Dynasty



铜镜鉴定

Appraisal of Bronze Mirror

丁孟著

广西师范大学出版社



《中国文物鉴定》丛书

铜镜鉴定

丁 孟 著

广西师范大学出版社
•桂林•



图书在版编目 (CIP) 数据

铜镜鉴定 / 丁孟著. —桂林: 广西师范大学出版社,
2000. 3
(中国文物鉴定)
ISBN 7-5633-2979-X
I. 铜… II. 丁… III. 古镜: 铜器 (考古) - 鉴定
-中国 IV. K875. 24

中国版本图书馆 CIP 数据核字 (2000) 第 14310 号

广西师范大学出版社出版发行
(桂林市中华路 36 号 邮政编码:541001)
电子信箱: pressz@public.glpit.gx.cn
出版人: 萧启明
全国新华书店经销
广西民族印刷厂印刷
(广西南宁市明秀西路 53 号 邮政编码:530001)
开本: 850 mm × 1 168 mm 1/32
印张: 4.875 插页: 22 字数: 127 千字
2000 年 3 月第 1 版 2000 年 3 月第 1 次印刷
印数: 0 001 ~ 5 100 定价: 14.00 元
如发现印装质量问题, 影响阅读, 请与印刷厂联系调换。



《中国文物鉴定》

丛书序言

鉴定文物是文物工作者和文物爱好者的一门基本功，是确认一件文物固有价值的必要前提。中国古代灿烂的文化留下丰富的文物，由于历史的原因，文物真伪杂糅。因此，掌握文物鉴定知识，对从事收藏、鉴赏、了解、研究文物的人来说，均显得十分重要。

文物鉴定这门学问，古已有之，某些器类如书画、金石还留下了许多专门著述，但诸多论述显得比较零星、简略，缺乏系统、理论的总结。近现代学者在书画、青铜、陶瓷等器类上结合实践经验，撰写了不少鉴定专著，从纵向和横向、理论和实例等方面，全方位地进行了论述，奠定了科学的现代鉴定学基础。但不少器类如工艺、雕塑等，仍缺乏系统的鉴定理论专著。在“中国文物热”方兴未艾的今天，广西师范大学出版社决定出版成套的《中国文物鉴定》丛书，广泛传播文物鉴定常识，这无疑是对文博工作的极大支持，也体现了“把社会效益放在首位”的出版宗旨。

本丛书约请的作者，都是从事文博工作多年的专业人员，有较丰富的实践经验和较强的研究能力，其中大部分是本专业中成果丰硕的专家，也有一些属学有专长的中青年业务骨干。他们掌握文物鉴定的方法并熟悉本专业鉴定的现状，结合自身实践，对文物鉴定知识进行整理、归纳和综合分析，并从时序的纵向和理论的横向展开论述，力图作一番阶段性的系统总结。各器类的文物鉴定，既各自成书，又配套成龙，故此套丛书的出版，想必会有益于社会，也有益于文物鉴定工作的发展。

本丛书初定的文物器类,包括绘画、书法、雕塑、青铜、印玺、陶瓷、织绣、玉器、漆器、文房四宝等主要大类。今后还要视需要和可能,陆续补充其它器类,使之趋于完整化、系列化。

本丛书的编撰出版,得到丛书顾问委员会中诸位著名文物鉴定专家的指导和支持,在此谨表深切谢意。由于编撰时间紧促,鉴定系列丛书又属新的选题,本丛书在撰写、编辑、体例等方面定有不少疏漏和不当之处,诚望广大读者批评指正。

《中国文物鉴定》丛书编委会

引　　言

在玻璃制镜流行之前，我们的先人，曾发明了一种以铜合金制作的镜子，用来观察自己的形象。铜镜的正面制作得比较平滑光亮，经过磨光后，可以清晰地照出人面；背面经过精心设计，铸有精致的装饰图案，有的还有铭文。可以说，铜镜是我国历代不同的金属工艺水平、审美观念和生活习俗的具体反映。

我国铜镜有悠久的历史，它的起源是和人们的审美观念紧密联系在一起的。在没有发明照面工具的时候，人们只有借助自然界的水来照一照。原始人用陶盆盛清水照面，直至周代，人们还有用青铜鉴盛水照面的。《尚书》、《国语》、《庄子》等古籍中都曾提到古人“鉴于水”，这也是古人所以把“镜”叫做“鉴”的由来。

铜镜的发明是在冶铜技术出现以后。近年考古工作者曾在青海、甘肃的齐家文化遗址中先后发现了两面小型铜镜，这是目前发现的最早的铜镜。若以此为起点，中国铜镜随着人类历史的发展，迈开了自身发展的步伐，直到清代末期，它走过了近4000年的历史过程。

除早期铜镜外，历代均有丰富的实物遗存于世，有流散各地的传世品，也有地下发掘物。为了研究铜镜的嬗变，就需要对它们的制作年代和真伪，进行科学、准确的鉴定。

科学考古发掘的铜镜，可用同墓葬的其他文物为佐证，并用现

代科学方法进行鉴定。而传世品数量众多、类型繁杂，唐宋以后摹古仿制又盛行，以至鱼目混珠，赝品充斥。这就要在现代科学的指导下，凭我们的“眼力”，从把握各朝铜镜的典型风貌和基本特征着手，概括出规律性的认识，进行科学的鉴别。

文物鉴定，虽不是高不可攀，但也必须经过刻苦的钻研、认真的实践。本书旨在对中国古代铜镜的时代风格、基本特点与发展规律，作比较全面的阐述，以期对铜镜爱好者能有所裨益。

要辨其假，必须熟知其真。只有对各时期铜镜的方方面面详加分析研究，特别是对典型铜镜烂熟于心，经过反复推敲，切磋揣摩，积累丰富的实践经验，才能识别不同时代铜镜的真面目，对铜镜的真伪、年代作出正确的判定。

目 录

| | |
|-------------------------|------|
| 引言 | (1) |
| 第一章 中国铜镜与古代文化 | (1) |
| 第一节 中国古代铜镜的产生和渊源 | (1) |
| 第二节 中国铜镜的特点和有关典故 | (3) |
| 第三节 铜镜的结构和称谓 | (11) |
| 第二章 齐家文化和商周时期铜镜 | (13) |
| 第一节 齐家文化铜镜 | (14) |
| 第二节 商代铜镜 | (15) |
| 第三节 西周铜镜 | (16) |
| 第三章 春秋战国时期铜镜 | (21) |
| 第一节 春秋铜镜 | (22) |
| 第二节 战国铜镜 | (23) |
| 第四章 两汉三国两晋南北朝时期铜镜 | (35) |
| 第一节 两汉铜镜 | (36) |
| 第二节 三国两晋南北朝铜镜 | (55) |

| | | |
|------------|-------------------|--------|
| 第五章 | 隋唐时期铜镜 | (64) |
| 第一节 | 隋代铜镜 | (65) |
| 第二节 | 唐代铜镜 | (67) |
| 第六章 | 五代宋辽金元时期铜镜 | (85) |
| 第一节 | 五代十国铜镜 | (86) |
| 第二节 | 宋代铜镜 | (88) |
| 第三节 | 辽代铜镜 | (97) |
| 第四节 | 金代铜镜 | (98) |
| 第五节 | 元代铜镜 | (104) |
| 第七章 | 明清时期铜镜 | (108) |
| 第一节 | 明代铜镜 | (109) |
| 第二节 | 清代铜镜 | (114) |
| 第八章 | 铜镜的仿古与作伪 | (124) |
| 第一节 | 唐代仿古铜镜 | (125) |
| 第二节 | 宋代仿古铜镜 | (127) |
| 第三节 | 金代仿古铜镜 | (129) |
| 第四节 | 明代仿古铜镜 | (131) |
| 第五节 | 清代仿古铜镜 | (132) |
| 第六节 | 民国时期仿古铜镜 | (135) |

彩色图版目录

| | | | |
|----|--------|--------------|-----|
| 1 | 齐家文化时期 | 七角星纹镜 | (1) |
| 2 | 商 | 叶脉纹镜 | (1) |
| 3 | 商 | 短线纹镜 | (1) |
| 4 | 春秋早期 | 螭虎纹镜 | (1) |
| 5 | 春秋中期 | 蟠虺纹镜 | (1) |
| 6 | 战国 | 云纹三钮镜 | (1) |
| 7 | 战国 | 羽状纹镜 | (2) |
| 8 | 战国 | 蟠螭纹镜 | (2) |
| 9 | 战国 | 菱形纹镜 | (2) |
| 10 | 战国 | 错金银狩猎纹镜 | (3) |
| 11 | 西汉 | 长方形夔龙纹大铜镜 | (3) |
| 12 | 西汉 | 四乳四虺纹镜 | (3) |
| 13 | 西汉 | 连弧纹铭文镜 | (3) |
| 14 | 汉 | 鎏金银博局纹镜 | (3) |
| 15 | 西汉 | 涂彩连弧纹镜 | (4) |
| 16 | 汉 | 博局纹镜 | (4) |
| 17 | 东汉 | 龙虎纹镜 | (4) |
| 18 | 三国 | 甘露二年变形四叶兽首纹镜 | (4) |
| 19 | 唐 | 海兽葡萄纹方镜 | (4) |
| 20 | 唐 | 鸾凤双兽纹镜 | (4) |
| 21 | 唐 | 海兽葡萄纹镜 | (5) |
| 22 | 唐 | 嵌螺钿高士宴乐纹镜 | (5) |
| 23 | 唐 | 三乐纹镜 | (6) |

| | | | |
|----|------|------------------|------|
| 24 | 唐 | 真子飞霜镜 | (6) |
| 25 | 唐 | 狩猎纹镜 | (6) |
| 26 | 宋 | 花卉纹镜(一) | (7) |
| 27 | 宋 | 花卉纹镜(二) | (7) |
| 28 | 宋 | 湖州铭文镜 | (7) |
| 29 | 金 | 达摩渡江纹镜 | (8) |
| 30 | 元 | 孔雀牡丹纹镜 | (8) |
| 31 | 元 | 洛神图把镜 | (8) |
| 32 | 明 | 八宝人物纹镜 | (8) |
| 33 | 清 | 金盘铭四蝠纹镜 | (9) |
| 34 | 清 | 松香涂墨地莲花形镜 | (9) |
| 35 | 清 | 漆背描金莲花纹镜 | (10) |
| 36 | 清 | 《西清古鉴》镜匣封面 | (11) |
| 37 | 清 | 《西清古鉴》镜匣正面 | (11) |
| 38 | 清 | 《西清古鉴》镜匣背面 | (11) |
| 39 | 宋仿唐 | 海兽葡萄纹镜 | (12) |
| 40 | 清仿宋 | 花鸟纹镜 | (11) |
| 41 | 民国仿汉 | 飞龙飞仙连弧纹镜 | (11) |

黑白图目录

| | | | |
|---|------|----------------|------|
| 1 | 战国 | 四山纹铜镜范 | (13) |
| 2 | 宋 | 卧女式铜镜台 | (13) |
| 3 | 春秋晚期 | 素镜 | (13) |
| 4 | 战国 | 兽纹钮蟠螭纹镜 | (13) |
| 5 | 战国 | 透雕钮座蟠螭纹镜 | (13) |

| | | | | |
|----|----|-------------|-------|------|
| 6 | 战国 | 四山纹镜 | | (13) |
| 7 | 战国 | 五山纹镜 | | (14) |
| 8 | 战国 | 云雷地四叶纹镜 | | (14) |
| 9 | 战国 | 连弧纹镜 | | (14) |
| 10 | 战国 | 龙纹连弧镜 | | (14) |
| 11 | 战国 | 四叶四龙纹镜 | | (14) |
| 12 | 战国 | 龙凤纹镜 | | (14) |
| 13 | 战国 | 凤鸟纹镜 | | (15) |
| 14 | 战国 | 四兽纹镜 | | (15) |
| 15 | 西汉 | 重圈铭文蟠螭纹镜 | | (16) |
| 16 | 西汉 | 博局蟠螭纹镜 | | (16) |
| 17 | 西汉 | 草叶纹镜 | | (16) |
| 18 | 西汉 | 四瓣花草叶纹镜 | | (16) |
| 19 | 西汉 | 星云纹镜 | | (16) |
| 20 | 西汉 | 四乳四兽纹镜 | | (16) |
| 21 | 西汉 | 博局鱼猎纹镜 | | (17) |
| 22 | 西汉 | 清白铭连弧纹镜 | | (17) |
| 23 | 新莽 | 十二辰博局纹镜 | | (18) |
| 24 | 东汉 | 七子纹镜 | | (17) |
| 25 | 东汉 | 伍子胥画像镜 | | (18) |
| 26 | 东汉 | 变形四叶鸟纹镜 | | (18) |
| 27 | 东汉 | 变形四叶八凤纹镜 | | (18) |
| 28 | 东汉 | 长宜子孙双兽纹镜 | | (18) |
| 29 | 东汉 | 重列式神兽纹镜 | | (19) |
| 30 | 东汉 | 环乳神兽纹镜 | | (19) |
| 31 | 东汉 | 神人神兽纹镜 | | (19) |
| 32 | 东汉 | 四兽纹镜 | | (20) |
| 33 | 东汉 | 东王公西王母龙虎画像镜 | | (20) |

| | | | |
|----|----|-------------------|------|
| 34 | 东汉 | 东王公西王母车马画像镜 | (20) |
| 35 | 东汉 | 西王母汉武帝画像镜 | (20) |
| 36 | 东汉 | 龙虎纹镜 | (20) |
| 37 | 三国 | 黄武二年环绕式神兽镜 | (21) |
| 38 | 三国 | 重列式神兽镜 | (21) |
| 39 | 三国 | 太平元年对置式神兽镜 | (21) |
| 40 | 三国 | 变形四叶鸾凤纹镜 | (21) |
| 41 | 三国 | 位至三公双兽纹镜 | (21) |
| 42 | 西晋 | 画文带佛兽镜 | (22) |
| 43 | 隋 | 十二生肖纹镜 | (22) |
| 44 | 隋 | 四神十二生肖纹镜 | (22) |
| 45 | 隋 | 四兽纹镜 | (22) |
| 46 | 唐 | 四神纹镜 | (23) |
| 47 | 唐 | 海兽过梁葡萄纹镜 | (23) |
| 48 | 唐 | 双马踏花纹葵花式镜 | (23) |
| 49 | 唐 | 双鹊踏莲纹菱花式镜 | (23) |
| 50 | 唐 | 鸾凤纹镜 | (23) |
| 51 | 唐 | 双鸾双兽纹镜 | (23) |
| 52 | 唐 | 宝相花纹葵花式镜 | (24) |
| 53 | 唐 | 方格菱花纹镜 | (24) |
| 54 | 唐 | 龙纹葵花式镜 | (24) |
| 55 | 唐 | 蟠龙纹镜 | (24) |
| 56 | 唐 | 嫦娥奔月纹菱花式镜 | (24) |
| 57 | 唐 | 月宫纹菱花式镜 | (25) |
| 58 | 唐 | 飞天纹镜 | (25) |
| 59 | 唐 | 四仙纹菱花式镜 | (26) |
| 60 | 唐 | 弹琴舞凤纹葵花式镜 | (26) |
| 61 | 唐 | 打马球纹菱花式镜 | (26) |

| | | | |
|----|----|------------|------|
| 62 | 唐 | 弈棋纹镜 | (27) |
| 63 | 唐 | 狩猎纹镜 | (27) |
| 64 | 唐 | 双犀纹葵花式镜 | (27) |
| 65 | 唐 | 五岳纹方镜 | (27) |
| 66 | 唐 | 八卦山岳纹镜 | (27) |
| 67 | 唐 | 十二时二十八宿纹镜 | (27) |
| 68 | 五代 | 都城铜坊镜 | (28) |
| 69 | 五代 | 千秋万岁镜 | (28) |
| 70 | 宋 | 亚形缠枝花纹镜 | (28) |
| 71 | 宋 | 集锦小花纹镜 | (28) |
| 72 | 宋 | 鸾鸟纹镜 | (28) |
| 73 | 宋 | 荷花蜻蜓纹镜 | (29) |
| 74 | 宋 | 鱼花纹镜 | (29) |
| 75 | 宋 | 人物故事纹镜 | (29) |
| 76 | 宋 | 钟馗捉鬼纹镜 | (29) |
| 77 | 宋 | 连钱纹镜 | (29) |
| 78 | 宋 | 月宫八卦纹镜 | (29) |
| 79 | 宋 | 鼎形镜 | (30) |
| 80 | 宋 | 湖州铭文镜 | (30) |
| 81 | 辽 | 天庆三年镜 | (30) |
| 82 | 金 | 双龙纹镜 | (30) |
| 83 | 金 | 双鱼纹镜 | (31) |
| 84 | 金 | 柳毅传书故事纹镜 | (32) |
| 85 | 金 | 王质观棋故事纹镜 | (32) |
| 86 | 金 | 许由巢父故事纹镜 | (32) |
| 87 | 金 | 吴牛喘月纹镜 | (32) |
| 88 | 金 | 许宣和白娘子故事纹镜 | (32) |
| 89 | 金 | 大定通宝钱童戏纹镜 | (33) |

| | | | |
|-----|---|-------------------|------|
| 90 | 金 | 海水行船纹镜 | (33) |
| 91 | 金 | 四兽纹镜 | (33) |
| 92 | 金 | 水月奔马纹镜 | (33) |
| 93 | 元 | 盘龙戏珠纹镜 | (33) |
| 94 | 元 | 至元四年双龙纹镜 | (33) |
| 95 | 元 | 至正元年龙凤纹把镜 | (34) |
| 96 | 明 | 洪武二十二年龙纹镜 | (34) |
| 97 | 明 | 万历鎏金龙凤纹镜 | (34) |
| 98 | 明 | 喜生贵子镜 | (34) |
| 99 | 明 | 风俗人物纹镜 | (34) |
| 100 | 明 | 五子登科飞鸿纹镜 | (34) |
| 101 | 明 | 五岳真形纹镜 | (35) |
| 102 | 明 | 任小轩造镜 | (35) |
| 103 | 明 | 嘉靖戊午孔汝镇置镜 | (35) |
| 104 | 明 | 福寿康宁镜 | (35) |
| 105 | 明 | 状元及弟镜 | (35) |
| 106 | 明 | 崇祯五年镜 | (35) |
| 107 | 清 | 康熙五十九年八卦纹镜 | (36) |
| 108 | 清 | 五蝠捧寿纹镜 | (36) |
| 109 | 清 | 五岳真形纹镜 | (36) |
| 110 | 清 | 松香涂墨正龙纹镜 | (36) |
| 111 | 清 | 松香涂墨龙凤纹镜 | (36) |
| 112 | 清 | 漆背彩绘喜字龙凤纹镜 | (36) |
| 113 | 清 | 掐丝珐琅缠枝花纹镜 | (37) |
| 114 | 清 | 漆背描金狮子纹把镜 | (37) |
| 115 | 清 | 漆背描金江南小景把镜 | (37) |
| 116 | 清 | 漆背描金和合二仙纹把镜 | (37) |
| 117 | 清 | 松香涂墨湖州铭文方镜 | (37) |

| | | | |
|-------------------------|-------|------------|------|
| 118 | 唐仿汉 | 鸟兽博局纹镜 | (38) |
| 119 | 唐仿汉 | 七乳禽兽纹镜 | (38) |
| 120 | 宋仿汉 | 四乳四虺纹镜 | (38) |
| 121 | 金仿汉 | 内清铭文镜 | (38) |
| 122 | 明仿汉 | 四神博局纹镜 | (38) |
| 123 | 明仿汉 | 陈后梦置鸟兽博局纹镜 | (38) |
| 124 | 明仿汉 | 见日之光铭文镜 | (39) |
| 125 | 明仿汉 | 隆庆元年款内清铭文镜 | (39) |
| 126 | 清仿汉 | 四神博局纹镜 | (39) |
| 127 | 清仿汉 | 鸟兽博局纹镜 | (39) |
| 128 | 金仿唐 | 盘龙纹镜 | (40) |
| 129 | 清仿唐 | 双兽弯鸟纹菱花式镜 | (40) |
| 130 | 清仿唐 | 海兽葡萄纹镜 | (40) |
| 131 | 清仿金 | 嘉庆双鱼纹镜 | (41) |
| 132 | 民国仿汉 | 人物画像镜 | (42) |
| 133 | 民国仿三国 | 章武元年双兽纹镜 | (42) |
| 134 | 民国仿唐 | 嵌银壳四兽纹葵花式镜 | (42) |
| 135 | 民国作伪 | 位至三公双兽纹镜 | (42) |
| 附： | | | |
| 战国铜镜横断截面 西汉中期内连弧铭文镜横断截面 | | | |
| 金代铜镜横断截面 明代铜镜横断截面 | | | |
| 半环形钮 东汉晚期镜钮 三国镜钮 | | | |
| 汉镜的四叶纹 三国镜的四叶纹 | | | |
| 汉镜的内连弧纹 三国镜的内连弧纹 (43) | | | |
| 唐代菱花形镜 宋代菱花形镜 | | | |
| 唐代葵花形镜 宋代葵花形镜 | | | |
| 宋代把镜 金代把镜 元代把镜 (44) | | | |

第一章 中国铜镜与古代文化

第一节 中国古代铜镜的产生和渊源

一、人类的瑰宝

世界古代铜镜大致分为东西两大体系。西方体系以西亚、古埃及、古希腊、罗马等国的圆板具柄镜为代表。

据日本学者樋口隆康先生在《古镜》一书中介绍，在伊拉克的基什遗址（公元前2900年～前2700年）和伊朗的苏莎遗址（公元前2300年～前2200年）、巴基斯坦的印达斯文明时期的遗址（公元前2000年）中都出土了青铜镜，这些青铜镜都是有柄镜。在埃及第十一王朝时期的石棺浮雕纹饰中，则有了持把镜装饰的贵妇人像，其年代也在公元前2000年。

东方铜镜体系以中国圆形具钮铜镜为代表。尽管在不同时期中国铜镜曾出现过方形镜、花形镜、有柄镜，但圆形具钮镜一直是铜镜的重要形式，也是中国铜镜的主要特点。

二、铜镜探源

探讨中国铜镜的起源，这就要从铜镜的一个别名“鉴”谈起。《考工记》：“金锡半，谓之鉴燧之齐。”郑玄注：“鉴亦镜也。”鉴字又见于《左传·定公六年》：“昭公之难，君将以文之舒鼎，成之昭兆，定之鑒。苟可以纳之，择用一焉。”杜预注曰：“鑒带而以镜为饰